भारतीय वायुसेना दिवस 'एयर फेस्ट 2018' के साथ मनाया गया- GK नोट्स का PDF डाउनलोड करें!

भारत की सबसे मजबूत सेनाओं में से एक भारतीय वायु सेना ने शिलोंग में 'एयर फेस्ट 2018' के साथ अपना 86 वां **भारतीय वायुसेना दिवस** मनाया। **8 अक्टूबर 1932** वह दिन था जब उस समय के दौरान ब्रिटिश शासकों द्वारा भारतीय वायुसेना की स्थापना की गई थी। सेकेंड वर्ल्ड वॉर में वायुसेना के योगदान के कारण इसके साथ 'रॉयल' शब्द जोड़ा गया था। देश को आजादी और गणतंत्र प्राप्त होने के बाद वर्ष 1950 में इसका नाम रॉयल एयरफोर्स की जगह भारतीय वायुसेना दिया गया। भारत के पहले एयरफोर्स प्रमुख सुब्रतो मुखर्जी थे। भारतीय वायुसेना (आईएएफ) में भारत के राष्ट्रपति कमांडर की प्रमुख भूमिका निभाते हैं।

86 वां भारतीय वायुसेना दिवस 2018

शीतोंग एडवांस्ड लैंडिंग ग्राउंड (एएलजी) के पूर्वी कमान मुख्यालय में एयर फोर्स डे 'एयर फेस्ट 2018' के साथ एयर मार्शल आर नंबियार के पूर्वी वायु कमान के एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ द्वारा 86 वें भारतीय वायुसेना दिवस समारोह का उद्घाटन किया गया। यह कार्यक्रम सु -30 एमकेआई बहु-भूमिका सेनानी विमान और एमआई -17 हेलीकॉप्टरों के फ्लाईपैस्ट के साथ शुरू हुआ। इंडियन वायु सेना 'गरुड' के कुलीन कमांडो बल ने भी एक निष्पादित संचालन किया। इस राष्ट्रीय वायुसेना दिवस का जश्न मनाते हुए, आईएएफ ने अपने आदर्श वाक्य "नभाह स्पर्सम दिप्तिम" को दोहराया अर्थात 'महिमा के साथ आकाश को स्पर्श करें'।

testbook PASS
ATTEMPT ALL TESTS ACROSS ALL EXAMS
₹400 FOR 4 MONTHS
BUY NOW
testbook

INDIAN AIR FORCE DAY

MISSION, EXCELLENCE & INTEGRITY

Indian Air Force/भारतीय वायु सेना was founded 86 years ago on
8TH OCTOBER 1932

Role
AERIAL WARFARE

Size
1,39,576 ACTIVE PERSONNEL
APPROX. 1,720+ AIRCRAFT

Part of
INDIAN ARMED FORCES

Motto
नभः स्पृशं दीप्तम्
TOUCH THE SKY WITH GLORY

Chief of the Air Staff (CAS)
AIR CHIEF MARSHAL BIRENDER SINGH DHANOA

Notable Operations

World War II	1939-1945
Indo-Pakistani War	1947-1948
Congo Crisis	1960-1965
Operation Vijay	1961
Sino-Indian War	1962
Indo-Pakistani War	1965
Bangladesh Liberation War	1971
Operation Meghdoot	1984
Operation Poomalai	1987
Operation Pawan	1987
Operation Cactus	1988
Kargil War	1999

testbook.com

Insignia

ROUNDEL | AIR FORCE ENSIGN | FIN FLASH

testbook.com **SALUTE TO THE REAL HEROES**

LIVE COURSE
GA & BANKING AWARENESS
Banking Awareness
Financial Awareness
Important Current Affairs
HURRY!! 500 SEATS ONLY!!
BOOK NOW
testbook.com

भारतीय वायुसेना का इतिहास

जैसा कि पहले उल्लेख किया गया था, भारतीय वायु सेना की स्थापना 8 अक्टूबर 1932 को अंग्रेजों ने की थी। वायु विमानों का भारतीय वायुसेना का पहला मिशन 1 अप्रैल 1933 को पाँच भारतीय पायलटों द्वारा पश्चिम-लाइन वैपिटी बायप्लेन्स द्वारा आयोजित किया गया था। वर्ष 1932 में इसकी स्थापना के साथ ही भारतीय वायु सेना की उपलब्धियों का उल्लेखनीय इतिहास रहा है। भारतीय हवाई क्षेत्र को सुरक्षित रखने और संघर्ष के दौरान हवाई युद्ध का आयोजन करने के अपने प्राथमिक उद्देश्य का पालन करते हुए, भारतीय वायुसेना को पाकिस्तान के साथ चार युद्ध और चीन के साथ एक युद्ध में शामिल किया गया है। वायु सेना ने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जापानी सेना को बर्मा में रोककर सक्रिय भूमिका निभाई थी। वायु सेना के अन्य महत्वपूर्ण कार्यों में ऑपरेशन विजय (गोवा का दावा करने के लिए), ऑपरेशन मेघदूत (विवादित कश्मीर क्षेत्र में सियाचिन ग्लेशियर को पकड़ने के लिए), ऑपरेशन कैक्टस (मालदीव में बचाव अभियान), ऑपरेशन पोमलाई (श्रीलंका में जाफना शहर के घेरे वाले शहर पर हवाई-ड्रॉप की आपूर्ति के लिए) और ऑपरेशन राहत (उत्तराखंड में फ्लैश बाढ़ से पीड़ित लोगों के बचाव और राहत) शामिल हैं। दुनिया की अग्रणी वायु सेना में से एक मानी जाने वाली भारतीय वायु सेना में लगभग 1,70,000 कर्मियों की ताकत है और 1,400 से अधिक विमान हैं।

testbook.com

गोवा अनुबंध में भारतीय वायु सेना की भूमिका

1961 में भारत सरकार ने नई दिल्ली और लिस्बन की बड़ी असहमति के कारण गोवा के पुर्तगाली उपनिवेश के प्रमुख पक्ष पर हमला करने का फैसला किया । आईएएफ से प्राथमिक समर्थन देने का अनुरोध किया गया जिसे बाद में "ऑपरेशन विजय" नाम रखा गया। 8 से 18 दिसम्बर के बीच पुर्तगाली वायुसेना को बाहर निकालने के उद्देश्य से कुछ फाइटर्स और बमवर्षक विमानों द्वारा जाँच उड़ानों भरी गई पर इसका कोई असर नहीं हुआ। यह दोनों पक्षों के बीच एक बड़ा युद्ध था, बाम्बोलिम के वायरलेस स्टेशन को कोर में नष्ट कर दिया गया था जिससे उनकी हार हुई और उन्हें गोवा छोड़ के जाना पड़ा।

भारतीय वायु सेना के लड़ाकू विमान

- आईएएफ का मुख्य विमान मिग 29 है जिसे बाज़ (हिंदी में हॉक) कहा जाता है। यह वर्ष 2007 में विमान के उन्नयन के साथ शुरू हुआ।
- भारत ने बाद में फ्रांस के साथ इस समझौते को अंतिम रूप देने के लिए भारत के मिराज (जिसे वजरा के रूप में जाना जाता है) 2000H को नए रडार सिस्टम और हथियार सूट के साथ मिराज 2000-5 एमके 2 संस्करण में अपग्रेड करने के लिए अंतिम रूप दिया।
- सेपेकैट जगुआर, मिराज 2000 के अलावा आईएएफ के सबसे पसंदीदा विमान में से एक हैं।
- एचएएल ने 1983 में लाइट लड़ाकू विमान बनाया, जिसने भारत के मिग 21 को विकसित और बदल दिया।
- इन उन्नत स्वदेशी लड़ाकू विमानों के साथ युद्धपोतों की एक श्रृंखला के बाद, उन्हें हेल तेजास के नाम से नामित किया गया।
- तब से, TEJAS अंतिम परिचालन निकासी के लिए आईएएफ में है।
- इस साल 2018, में आईएएफ ने 201 एचएएल टीजेएएस एयरक्राफ्ट खरीदने के लिए अनुबंध किया है।
- भारतीय सरकार ने 36 दासॉल्ट राफेल खरीदने की भी योजना बनाई लेकिन यह अभी भी वार्ता में है और पहला विमान 2019 की शुरुआत तक आईएएफ को दिया जाएगा और 2022 तक एयरक्राफ्ट के वाकी सामानों को वितरित किया जाएगा।
- वीआईपी परिवहन कर्तव्यों के लिए, आईएएफ के उपयोग के लिए दो एयर इंडिया बोइंग 777-300 ईआर है।

यदि आपको **भारतीय वायु सेना दिवस** पर यह लेख पसंद आया है तो अपने सामान्य ज्ञान को ओर अधिक बढ़ने के लिए कुछ और लेख भी पढ़ें।

न्यायमूर्ति दीपक मिश्रा	भारतीय हवाई अड्डे और शहर
आधार अधिनियम संवैधानिक	भारतीय स्टॉक एक्सचेंज की सूची
राष्ट्रीय खेल पुरस्कार और विजेता	बैंक विलय (बैंक ऑफ बड़ौदा, विजया बैंक और देना बैंक)

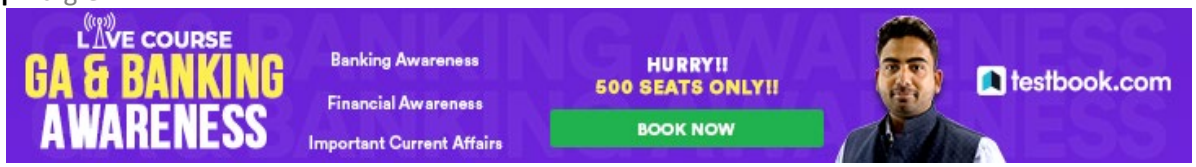

testbook.com